शोक प्रकाश

माननीय सदस्यगण, विगत् सत्र से लेकर अब तक की अवधि में हमारे बीच से कई राजनेता, कलाकार, समाजसेवी, साहित्यकार, खिलाड़ी और आम नागरिक गुजर गये। इनमें झारखण्ड के पूर्व राज्यपाल एम0 रामा0 जोईस, पूर्व सांसद राजकिशोर महतो, पूर्व मंत्री अकलू राम महतो, कॉंग्रेस के वरिष्ठ नेता अहमद पटेल, कलाकार सौमित्र चटर्जी एवं महान फुटबॉलर माराडोना प्रमुख हैं।

बिहार और झारखण्ड के पूर्व राज्यपाल एम0 रामा0 जोईस का निधन दिनांक-16 फरवरी, 2021 को हो गया। स्व0 जोईस ने झारखण्ड के दूसरे राज्यपाल के रूप में कार्य किया। एम0 रामा जोईस की पहचान एक कुशल प्रशासक एवं न्यायविद् के रूप में थी। हमें उनके निधन से गहरा आघात लगा है।

गोवा के पूर्व राज्यपाल मृदुला सिन्हा का निधन दिनांक-18 नवम्बर, 2020 को हृदय गति रुकने से हो गया। स्व0 सिन्हा का साहित्य एवं संस्कृति की दुनिया में व्यापक योगदान रहा है। कथा, भारतीय संस्कृति एवं महिला सशक्तीकरण पर इन्होंने 60 किताबें लिखीं। स्व0 मृदुला सिन्हा महिलाओं के शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक विकास की पक्षधर थीं।

असम के पूर्व मुख्यमंत्री तरूण गोगोई का देहान्त दिनांक-23 नवम्बर, 2020 को हो गया। स्व0 गोगोई तीन बार मुख्यमंत्री रहे। तरूण गोगोई 6 बार सांसद रहे और 2 बार केन्द्रीय मंत्री भी बने। उनके निधन से भारतीय राजनीति में अपूरणीय क्षति हुई है।

कॉंग्रेस के कद्दावर नेता अहमद पटेल का निधन दिनांक-25 नवम्बर, 2020 को हो गया। स्व0 पटेल 5 बार राज्यसभा और 3 बार लोकसभा के

सदस्य रहे। स्व0 पटेल काँग्रेस के बड़े रणनीतिकार थे और भारतीय राजनैतिक पटल पर उन्हें अजातशत्रु के रूप में माना जाता रहेगा।

काँग्रेस के वरिष्ठ नेता मोतीलाल बोरा का निधन दिनांक-21 दिसम्बर, 2020 को हो गया। स्व0 मोतीलाल बोरा 2 बार मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। वे उत्तर प्रदेश के राज्यपाल भी रह चुके थे। मोतीलाल बोरा 4 बार राज्यसभा सदस्य रहने के साथ ही केन्द्रीय मंत्री भी रह चुके थे। वे एक कुशल राजनेता, समाजसेवी तथा कुशल प्रशासक थे।

काँग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री माधव सिंह सोलंकी का देहान्त दिनांक-09 जनवरी, 2021 को हो गया। स्व0 सिंह 4 बार गुजरात के मुख्यमंत्री रहे। वर्ष 1991-92 में विदेश मंत्री एवं 2 बार राज्यसभा के सदस्य रहे। स्व0 सिंह आजीवन दीन-दुखियों एवं कमजोर वर्ग के लोगों के उत्थान के लिए प्रयासरत् रहे।

काँग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री बूटा सिंह का निधन दिनांक-02 जनवरी, 2021 को हो गया। स्व0 सिंह बिहार के राज्यपाल भी रहे। बूटा सिंह ने चार प्रधानमंत्रियों के साथ काम किया और केन्द्रीय मंत्रिमंडल में विभिन्न पदों पर अपनी सेवायें दी। बूटा सिंह की पहचान गरीबों और दलितों की सशक्त आवाज के रूप में की जाती है।

काँग्रेस नेता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री कैप्टन सतीश शर्मा का निधन दिनांक-17 फरवरी, 2021 को हो गया। स्व0 शर्मा 3 बार लोकसभा के सदस्य रहे। इस राजनेता के निधन से राजनीति को काफी क्षति हुई है।

अरूणाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल एवं प्रसिद्ध दलित साहित्यकार माता प्रसाद का देहान्त दिनांक-19 फरवरी, 2021 को हो गया।

गिरिडीह के पूर्व सांसद और सिंदरी एवं टुण्डी के पूर्व विधायक राजकिशोर महतो का निधन दिनांक-02 दिसम्बर, 2020 को हो गया। स्व0 महतो ने पिछड़े वर्ग के लोगों के कल्याण के लिए आजीवन संघर्ष किया।

अविभाजित बिहार के पूर्व मंत्री एवं बोकारो के पूर्व विधायक अकलू राम महतो का देहान्त दिनांक-27 नवम्बर, 2020 को हो गया। उनके निधन की सूचना से हमें मर्मान्तक पीड़ा की अनुभूति हुई है।

बाघमारा से 3 बार विधायक रहे ओमप्रकाश लाल का देहान्त दिनांक-21 नवम्बर, 2020 को हो गया। स्व0 लाल बिहार सरकार में मंत्री भी रहे। कुशल राजनेता होने के साथ-साथ स्थानीय लोगों के बीच काफी लोकप्रिय थे।

वर्ष 1995 से 2000 तक माण्डर विधानसभा क्षेत्र के झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के पूर्व विधायक विश्वनाथ भगत का निधन दिनांक-11 फरवरी, 2021 को हो गया। उनकी पहचान एक अच्छे संगठनकर्त्ता और जुझारू नेता के रूप में थी।

खगड़िया के पूर्व सांसद कामेश्वर प्रसाद उर्फ शम्भु जी का देहान्त दिनांक-15 जनवरी, 2021 को हो गया। स्व0 प्रसाद राज्यसभा के सदस्य भी रहे। कामेश्वर प्रसाद दशकों तक राजनीति में सक्रिय रहे। इनका राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन सराहनीय रहा।

बिहार के बथनाहा विधानसभा के पूर्व भा0ज0पा0 विधायक दिनकर राम का निधन दिनांक-05 दिसम्बर, 2020 को हो गया।

बिहार सरकार के पूर्व मंत्री गणेश प्रसाद यादव का देहान्त दिनांक-25 नवम्बर, 2020 को हो गया। स्व0 यादव समाजवादी और गरीबों के हित चिन्तक थे।

केन्द्रशासित प्रदेश दादरा और नागर हवेली से 7 बार सांसद रहे मोहन डेलकर का निधन दिनांक-22 फरवरी, 2021 को हो गया। मोहन सांजीभाई डेलकर आदिवासियों के अधिकारों के पैरोकार थे।

कॉंग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं राँची के पूर्व विधायक देवदत साहु का निधन दिनाक-22 फरवरी, 2021 को हो गया। स्व0 साहु अपना पूरा जीवन समाजसेवा के लिए समर्पित कर दिये थे।

बांग्ला फिल्मों के प्रख्यात अभिनेता सौमित्र चटर्जी का देहान्त दिनांक-15 नवम्बर, 2020 को हो गया। अपने काम के लिए स्व0 चटर्जी को दादा साहेब फाल्के पुरस्कार, पद्मभूषण और कई राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

संथाली भाषा और संस्कृति के संवाहक पद्मश्री प्रो0 दिगम्बर हाँसदा का निधन दिनांक-19 नवम्बर, 2020 को हो गया। प्रो0 हाँसदा समाज के प्रति अत्यंत जागृत व्यक्ति थे। उनके निधन से हम सभी मर्माहत हैं।

दुनिया के महानतम फुटबॉलर डीएगो माराडोना का निधन दिनांक-26 नवम्बर, 2020 को हो गया। फुटबॉल की दुनिया में वे "गोल्डन ब्वॉय" बने रहे।

संथाली भाषा के विद्वान प्रो0 कारू मांझी का निधन दिनांक-05 दिसम्बर, 2020 को हो गया। स्व0 मांझी ने संथाली भाषा के 8 पुस्तकों का सम्पादन किया था।

आयरन गेट के नाम से प्रख्यात अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी माईकल किण्डो का निधन दिनांक-31 दिसम्बर, 2020 को हो गया। स्व0 किण्डो म्युनिख ओलम्पिक में भारतीय टीम के सदस्य रहे। भारत सरकार द्वारा इन्हें अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

भारतीय शास्त्रीय संगीतकार और पद्मविभूषण से सम्मानित उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान का देहान्त दिनांक-17 जनवरी, 2021 को हो गया।

प्रसिद्ध भजन गायक नरेन्द्र चंचल का निधन दिनांक-22 जनवरी, 2021 को हो गया। अनूठी आवाज के धनी भजन सम्राट चंचल ने आवाज की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनायी थी। स्व0 चंचल को फिल्म फेयर अवार्ड से भी सम्मानित किया गया था।

पद्मश्री बंशी कौल का निधन दिनांक-06 फरवरी, 2021 को हो गया। इन्होंने रंग विदूषक संस्था बनायी और नयी नाट्य शैली के जरिये दुनिया भर में अलग पहचान बनायी।

झारखण्ड उच्च न्यायालय के सेवानिवृत न्यायाधीश विक्रमादित्य प्रसाद का निधन दिनांक-28 दिसम्बर, 2020 को हो गया। स्व0 प्रसाद द्वारा हिन्दी एवं अंग्रेजी में कई लघु कहानियाँ लिखी गयी हैं।

इसके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में दाह-संस्कार करते समय श्मशान के छत गिर जाने के कारण 23 लोगों की मृत्यु हो गयी। उत्तराखण्ड चमोली में आये जल-प्रलय में 150 लोग लापता हो गये, जिन्हें मृत घोषित कर दिया गया है। गुमला जिला में अपराधियों द्वारा एक ही परिवार के सदस्यों की हत्या की घटना काफी दुखद है।

मैं तमाम दिवंगत आत्माओं के प्रति अपनी श्रद्धा निवेदित करता हूँ और ईश्वर से यह प्रार्थना करता हूँ कि इनके परिजनों को शोक सहन करने की क्षमता ईश्वर प्रदान करे।

– ० –